

## UWW द्वारा भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता का नलिंबन

### प्रलिमिंस के लयि:

भारतीय कुश्ती संघ, वशि्व कुश्ती संघ (यूनाइडेड वर्ल्ड रेसलगि), कुश्ती

### मेन्स के लयि:

राष्ठीय खेल महासंघों के सुचारु कामकाज को सुनशिचति करने में भारत सरकार की भूमकि, अंतरराष्ठीय स्तर पर देश की छवि और प्रतषिठा बढ़ाने हेतु खेलों की भूमकि पर चर्चा

[सरोत: द हदि](#)

### चर्चा में क्यों?

कुश्ती की राष्ठीय नयामक संस्था, भारतीय कुश्ती संघ (WFI) को वशि्व कुश्ती संघ (यूनाइडेड वर्ल्ड रेसलगि) ने समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण अस्थायी रूप से नलिंबति कर दया है।

- इसका भारतीय पहलवानों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, वह सर्बया में आगामी वशि्व चैपयिनशिप में राष्ठीय ध्वज के नीचे प्रतसिपर्द्धा में भाग नहीं ले पाएंगे।

### UWW द्वारा WFI को नलिंबति करने का कारण:

- UWW ने WFI को उसके संवधिान का उल्लंघन करने के आधार पर नलिंबति कर दया है, जिसके अनुसास्सभी सदस्य महासंघों को हर चार साल में अपने चुनाव कराना अनविर्य है।
  - WFI को फरवरी 2023 में अपने चुनाव कराने थे लेकिन वभिनिन कारणों से इसमें देरी हुई, जिसमें कुछ प्रमुख पहलवानों द्वारापूर्व WFI अध्यक्ष और अन्य के खिलाफ [यौन उत्पीडन](#), धमकी, वतितीय अनयिमतिताओं और प्रशासनिक चूक के आरोप शामिल थे।
- इसके अलावा UWW यह भी चाहता था की एथलीटों को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा महासंघ पुनः उचति तरीके से कार्य प्रारंभ करे।

### भारत में समान संघर्ष का सामना कर रही अन्य खेल संस्थाएँ:

- फुटबॉल की वैश्वकि शासी संस्था [FIFA](#) (फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन) ने वर्ष 2002 में चुनावों में देरी के कारण [अखलि भारतीय फुटबॉल महासंघ](#) (All India Football Federation of India) को नलिंबति कर दया था जिसे बाद में हटा लया गया था।
- [अंतरराष्ठीय ओलंपकि समतिि](#) (IOC) और [अंतरराष्ठीय हॉकी महासंघ](#) (FIH) ने भी इसी तरह के कारणों से भारतीय खेल नकियायों पर संभावति प्रतबिंध की चेतावनी दी है।
- जून 2020 में भारत सरकार ने भारतीय राष्ठीय खेल वकिास संहतिा 2011 का अनुपालन न करने के कारण 54 राष्ठीय महासंघों की मान्यता रद्द कर दी थी।

### भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI):

- WFI भारत में कुश्ती की शासी नकियाय है। इसका मुख्यालय नई दलिली में स्थति है।
- इसे भारत सरकार और भारतीय ओलंपकि संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- यह वभिनिन राष्ठीय और अंतरराष्ठीय स्तर की कुश्ती प्रतयिोगतिाओं का आयोजन करता है जनिमें प्रो रेसलगि लीग, राष्ठीय कुश्ती चैपयिनशिप और एशयाई चैपयिनशिप शामिल हैं।
- WFI ओलंपकि खेलों में भाग लेने वाले भारतीय पहलवानों का समर्थन और प्रशकिषण भी प्रदान करता है।

## संयुक्त विश्व कुश्ती (UWW):

- UWW शौकिया (Amateur) कुश्ती के खेल के लिये अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है। यह ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में कुश्ती की नगिरानी करता है।
- UWW का मुख्यालय स्वटिज़रलैंड के कॉर्सयिर-सुर-वेवे में है।
- UWW की स्थापना वर्ष 1912 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएटेड रेसलिंग स्ट्राइल्स (FILA) के नाम से की गई थी। वर्ष 2014 में इसका नाम बदलकर यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कर दिया गया।
- UWW का लक्ष्य विश्व स्तर पर एक प्रेरक, नवोन्वेषी और अग्रणी ओलंपिक फेडरेशन के रूप में पहचान बनाना है। इसका मशिन विश्व भर में कुश्ती के विकास का नेतृत्व करना है।

## भारत में कुश्ती खेल का इतिहास:

- भारत में कुश्ती की शुरुआत 5वीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व से होती है।
- प्राचीन भारत में कुश्ती का अभ्यास किया जाता था जिसे मल्लयुद्ध के नाम से जाना जाता था।
- महाभारत के भीम, जरासंध, कीचक और बलराम प्रसिद्धि पहलवान थे।
- रामायण में कुश्ती का भी उल्लेख है, जिसमें हनुमान एक उल्लेखनीय पहलवान हैं।
- कुश्ती को भारत में "दंगल" कहा जाता है और यह कुश्ती टूर्नामेंट का एक मूल रूप है। पंजाब तथा हरियाणा क्षेत्रों में इसे "कुश्ती" कहा जाता है।
- मूल रूप से रॉयल्स के लिये एक फिटनेस गतिविधि और मनोरंजन, कुश्ती पेशेवर खेल के रूप में विकसित हुई है।

## नलिंबन का प्रभाव:

- पहलवानों की भागीदारी:
  - यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) के अनुसार, रेसलर और उनके सहयोगी कर्मी अभी भी UWW-स्वीकृत कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज के बजाय UWW ध्वज के तहत।
- UWW घटनाएँ:
  - भारतीय रेसलर बेलगरेड, सर्बिया में आगामी विश्व चैंपियनशिप सहित UWW प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय ध्वज के तहत प्रतस्पर्द्धा करने में असमर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त यदि कोई पहलवान स्वर्ण पदक हासिल करता है तो कोई भी भारतीय राष्ट्रगान नहीं बजाया जाएगा।
  - WFI को UWW से कोई वित्तीय या तकनीकी सहायता नहीं मिल सकती है।
- भारतीय कुश्ती:
  - नलिंबन से अंतरराष्ट्रीय कुश्ती समुदाय में भारत की छवि और प्रतिष्ठा खराब हुई है। यह भारतीय पहलवानों को भी हतोत्साहित तथा निराश करता है, जिन्होंने विश्व चैंपियनशिप एवं अन्य प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिये कड़ी मेहनत की है।
  - भारतीय कुश्ती संघ के नलिंबन से पहलवानों की वर्ष 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये योग्यता की संभावना बाधित हो गई है, क्योंकि विश्व चैंपियनशिप एक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है।
  - यह नलिंबन भारतीय कुश्ती के लिये एक बड़ा झटका है, जो हाल के वर्षों में भारत के सबसे सफल खेलों में से एक रहा है। भारत वर्ष 2008 से कुश्ती में चार ओलंपिक पदक, 19 विश्व चैंपियनशिप पदक और 69 एशियाई चैंपियनशिप पदक जीते हैं।

## आगे की राह

- इसका तात्कालिक समाधान यह है कि जितनी जल्दी हो सके WFI चुनाव कराए जाएँ और नतीजे मंजूरी के लिये विश्व कुश्ती संघ को सौंपे जाएँ।
- दीर्घकालिक समाधान WFI में सुधार और पुनर्गठन करना है, जो लंबे समय से विभिन्न समस्याओं एवं विवादों से ग्रस्त है। WFI को उचित जाँच तथा संतुलन, वित्तीय लेखापरीक्षा, शकियत नविवरण तंत्र आदिके साथ अपने कामकाज के लिये एक पेशेवर और जवाबदेह दृष्टिकोण अपनाना चाहिये।
- WFI को UWW और अन्य अंतरराष्ट्रीय निकायों के साथ एक स्वस्थ एवं सामंजस्यपूर्ण संबंध को बढ़ावा देना चाहिये तथा उनके नियमों और वनियमों का पालन करना चाहिये। WFI को अन्य राष्ट्रीय महासंघों और क्षेत्रीय संघों के साथ भी सहयोग करना चाहिये तथा भारत एवं विश्व में कुश्ती के विकास और लोकप्रियता को बढ़ावा देना चाहिये।

